उन्होंने प्रदेश सरकार पर उपेक्षा का आरोप अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को स्वयं लालत ठाकुर, सुरेश ध्रुव, नारायण नेताम,

240 खातों की केवाईसी की गई

डांडेसरा में वित्तीय समावेशन शिविर का हुआ आयोजन

रिज़र्व बैंक की क्षेत्रीय निदेशक ने की कार्यों की सराहना

नवभारत ब्यूरो । धमतरी।

भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे वित्तीय समावेशन अभियान के अंतर्गत कुरूद विकासखंड के डांडेसरा ग्राम पंचायत में 8 अगस्त को शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन बैंक ऑफ बड़ौदा कुरूद शाखा द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के सभी प्रमुख बैंकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस विशेष शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करना एवं पात्र खातों का पुनः केवायसी करना रहा। शिविर के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक, रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय की क्षेत्रीय निदेशक रीनी अजित द्वारा शिविर का दौरा किया गया। उन्होंने शिविर की गतिविधियों की समीक्षा की तथा बैंक अधिकारियों एवं लाभार्थियों से संवाद कर वित्तीय समावेशन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। रीनी अजित ने खाताधारकों से अपील की कि वे समय रहते पुनः केवायसी की प्रक्रिया पूर्ण करें जिससे उनके खाते सक्रिय बने रहें। साथ ही उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों के आयोजन की पूर्व सूचना ग्रामवासियों तक पहुँचाने के लिए प्रभावी प्रयास करें। शिविर के दौरान लाभार्थियों को भारतीय रिज़र्व बैंक की एकीकृत ऑम्ब्ड्समैन योजना 2021, निष्क्रिय खाते पुनः सक्रिय करने की प्रक्रिया, डिजिटल बैंकिंग में सावधानी, तथा डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। अग्रणी बैंक प्रबंधक इंद्रकुमार टिलवानी बताया इस शिविर में कुल 240 खातों का सफलतापूर्वक पुनः केवायसी किया गया, जो कि अभियान की सफलता की दिशा में एक सराहनीय उपलब्धि है। यह शिविर न केवल बैंकों और लाभार्थियों के बीच संपर्क का सशक्त माध्यम बना, बल्कि इससे ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय जागरूकता को भी नई दिशा मिली। सरकार एवं बैंकिंग संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से समावेशी विकास की ओर यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।